हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 356 | देहरादून मंगलवार 24 मार्च 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

पूरा हो रहा देवभूमि का गौरव पुनर्स्थापित करने का संकल्प: सीएम धामी

- विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण के साथ ही विकास प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाओं देने के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथकों तोड़कर, उन्हें पुनः राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया था। इसके बाद इसी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वो गर्व से कह सकते हैं कि वो संकल्प तेजी से

सिद्धि की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि "21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसलिए प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के मुख से निकले इन शिवोमयी शब्दों को चरितार्थ करने के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया है। वहीं, विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया है। इन्हीं प्रयासों से बीते चार वर्षों में राज्य ऐसी कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना है जो किसी भी छोटे राज्य के लिए असंभव समझी जाती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार राज्य में जी-20 जैसे वैश्विक सम्मेलन की बैठकों का सफल आयोजन किया गया, वहीं राष्ट्रीय खेलों का भी भव्य आयोजन किया गया। इतना ही नहीं, पहली बार उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया, जिसमें 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है।रखी सरकार की प्रगति रिपोर्ट: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बीते चार साल में राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और बीते एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई, साथ ही प्रतिव्यक्ति आय में भी 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं, वहीं स्टार्टअप की संख्या 7 सौ से बढ़कर साढ़े 17 सौ हो गई है। यही नहीं इस दौरान 2 लाख 65 हजार से अधिक माताएं-बहनें लखपति दीदी बनी हैं। राज्य सरकार के सतत प्रयासों से रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।केंद्र ने भी सराहा : मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 के सतत् विकास लक्ष्य इंडेक्स में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त होने से राज्य सरकार के प्रयासों पर मुहर लगी है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री उनियाल ने दून अस्पताल का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं की ली जानकारी

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड सरकार में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिलने के उपरांत माननीय मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने आज दून अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने उपचाराधीन जनों से मिलकर उनके हाल-चाल जाने तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं पर फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर मंत्री उनियाल ने अस्पताल के चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और उन्हें बेहतर समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड में चार सालों में और सुदृढ़ हुई शिक्षा व्यवस्था : डॉ० धन सिंह रावत

-धरातल पर उतरी योजनाएं तो छात्रों के सपनों को लगे पंख

देहरादून (संवाददाता)। राज्य सरकार ने पिछले चार सालों में जिन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है, उनमें विद्यालयी शिक्षा भी शामिल है। कैबिनेट मंत्री डॉ० धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रदेश में एक सुदृढ़ शिक्षा प्रणाली विकसित की गई। जिसका लाभ सूबे के प्रत्येक नौनिहाल को मिल रहा है। इन चार वर्षों में राजकीय विद्यालयों की न सिर्फ आधारभूत संरचना को मजबूत किया, बल्कि नवाचार पर फोकस कर नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराई गई। विशेषकर माध्यमिक शिक्षा के लिये विगत चार वर्ष उपलब्धियों से भरे रहे।छात्रों को मिली निःशुल्क किताबें : राज्य सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय एवं राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा-9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 3,30,212 छात्र-छात्राओं को 34,25,644 निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार वर्ष 2023-24 में 3,67300 छात्रों को 3645939 पाठ्य पुस्तकें, वर्ष 2024-25 में 351072 छात्रों को 3518340 पाठ्य पुस्तकें, वर्ष 2025-26 में 324491 छात्रों को 3892916 पाठ्य पुस्तकें तथा वर्ष 2026-27 में लगभग 326794 छात्रों को लगभग 3801279 पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा-1 से 12 के लगभग 899763 छात्र-छात्राओं को निःशुल् नोट बुक्स उपलब्ध कराई जा रही है। परिषदीय परीक्षाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन : माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत वर्ष 2022 से वर्ष 2025 तक की परिषदीय परीक्षाफल में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बोर्ड परीक्षाओं का समय पर आयोजन, व्यवस्थित व पारदर्शी मूल्यांकन से समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। वर्ष 2022 में हाईस्कूल का परीक्षाफल प्रतिशत जहां 77.47 था वहीं वर्ष 2025 में परीक्षाफल प्रतिशत 90.77 रहा। इसी प्रकार वर्ष 2022 में इंटरमीडिएट का परीक्षाफल प्रतिशत 82.63 था जो वर्ष 2025 में सुधरकर 83.23 हो गया है।

संक्षिप्त समाचार...

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रुधामी सरकार के 4साल बेमिसाल करता रहा ट्रेंड

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सोमवार को अपने चार वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। यह 4 वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों से भरा रहा। इस अवसर पर प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, वहीं सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। चार साल पूरे होने के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रुधामी सरकार के 4साल बेमिसाल ट्रेंड करता रहा और यह हैशटैग लंबे समय तक नंबर 1 पर बना रहा। देशभर से लोगों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए राज्य में हुए विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से रेखांकित किया। लोगों ने 4 साल पूरे होने पर खुशी जताई और मुख्यमंत्री धामी की प्रशंसा की।

सड़क हादसे में कार चालक पर मुकदमा

विकासनगर (संवाददाता)। हरबर्टपुर-धर्मावाला मार्ग पर विगत 18 मार्च को हुए सड़क हादसे के मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि 18 मार्च की रात करीब 9 बजे ब्रह्मप्रकाश निवासी टिमली अपनी बाइक से हरबर्टपुर से घर लौट रहे थे। झाड़ोवाला चौक के पास सामने से आ रही एक कार ने तेज रफ्तार और लापरवाही से गलत दिशा में आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

यह नया भारत है यहां इस्तीफा नहीं होता

जिस तरह के कपड़ों पर से जिद्दी दाग हटाने वाले डिटरजेंट और वॉशिंग मशीन आ गए हैं उसी तरह राजनीति में भ्रष्टाचार के दाग मिटाने वाली एक बेहद कारगर वॉशिंग मशीन आ गई है। वह वॉशिंग मशीन भाजपा की है। भाजपा के अलावा बाकी हर पार्टी के नेता भ्रष्ट हैं और वंशवादी हैं। भाजपा के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के अलावा सब भ्रष्ट हैं। चाहे वह न्यायपालिका के शीर्ष पर बैठे लोग हों या विपक्ष की राजनीति के शीर्ष लोग हों या मीडिया के लोग हैं, सब भ्रष्ट हैं।हां, ईमानदार और साफ सुथरी सिर्फ भाजपा और उसके नेता हैं। अगर कोई कथित भ्रष्ट व्यक्ति भाजपा में शामिल हो जाता है तो तत्काल उसके दाग धुल जाते हैं और वह स्वच्छ हो जाता है। इसी तरह से अगर भाजपा के किसी नेता, मंत्री या मुख्यमंत्री पर कोई आरोप लगता हो तो आरोप लगाने वाले कितना भी विश्वसनीय क्यों न हो और आरोप कितने भी गंभीर क्यों नहीं हों उनके दाग उस पर नहीं लगते हैं।किसी भी कीमत पर भाजपा के किसी नेता के ऊपर दाग नहीं लग सकता है। इसके लिए भाजपा ने श्हमारे यहां इस्तीफ नहीं होता्य का सिद्धांत प्रतिपादित किया है। कितना भी गंभीर आरोप हो भाजपा के लोग इस्तीफा नहीं देते। वैसे इस्तीफा देना किसी अपराध की सजा नहीं है। लेकिन यहां वह भी नहीं होता है। जैसे अभी एपस्टीन फाइल्स को लेकर पूरी दुनिया में हंगामा मचा है। इस्तीफा हो रहे हैं। गिरफ्तारियां हो रही हैं। ब्रिटेन में तो राजा के भाई को ही गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिका में ब्रिटिश सरकार के राजदूत रहे नेता की गिरफ्तारी हुई है। प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ और मीडिया सलाहकार का इस्तीफा हुआ है। विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष ने इस्तीफा दिया है। नार्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ने खुदकुशी करने की कोशिश की है। लेकिन भारत में?भारत में जिसके ऊपर आरोप लगे, एपस्टीन के साथ जिसके सैकड़ों ईमेल सामने आए और कई बार मुलाकातों का ब्योरा सामने आया वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपने को बेदाग बताता रहा और आरोप लगाने वालों को ही भ्रष्ट, बेईमान बताने लगा। मीडिया का एक समूह केंद्रीय मंत्री से इस्तीफा मांगने या कम से कम सवाल पूछने की बजाय मंत्री के साथ साथ दुनिया के सबसे नीच सेक्स अपराधी एपस्टीन का बचाव करने लगा। केंद्रीय मंत्री और देश के बड़े कारोबारी का नाम एपस्टीन के साथ जुड़ा लेकिन दिन भर शुचिता, ईमानदारी, त्याग, तपस्या आदि की बात करने वाले भारत में किसी के ऊपर रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ा।

नीतीश कुमार के रास जाने के बाद बिहार किस ओर

सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति एक बार फिर नए मोड़ पर खड़ी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सीट फतह कर चुके हैं अब ऐसे में बिहार की राजनीति किस ओर करवट ले रही है साफ साफ दिख रहा है । भाजपा की कही बात सिद्ध होने जा रही है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए। अब स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि राज्य की बागडोर अब किसके हाथों में सौंपी जाएगी। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, विकास की गति और राजनीतिक संतुलन का भी विषय है। वहीं क्या पर्ची निकाली जायेगी जैसा कि भाजपा नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में विधायकों में से किसी एक की पर्ची निकालकर राजतिलक कर चुका है। हालांकि गठबंधन के बाद भाजपा के लिए आसान नहीं रहेगा।अब अगर नीतीश कुमार की पार्टी की बात करें तो सबसे पहले, जेडीयू के भीतर नेतृत्व की तलाश तेज होगी। पार्टी में कई चेहरे हैं, लेकिन अनुभव, स्वीकार्यता और प्रशासनिक समझ के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। साथ ही, सहयोगी दलों की भूमिका भी अहम हो जाएगी, क्योंकि बिहार की सरकार गठबंधन की राजनीति पर टिकी है। ऐसे में सहमति से नेता का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया हो सकती है।दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की कोशिश करेगा। तेजस्वी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का प्रयास करेगा। यदि सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी प्रकार की असहमति या नेतृत्व को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है, तो विपक्ष इसे जनता के बीच एक मुद्दा बना सकता है।नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं। ऐसे में जो भी नया नेता सामने आएगा, उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इन उपलब्धियों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की होगी। साथ ही, उसे जनता के विश्वास को भी जीतना होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यह कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार का दायित्व केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे नेतृत्व तंत्र पर होगा। एक मजबूत, समन्वित और दूरदर्शी नेतृत्व ही राज्य को स्थिरता और विकास के पथ पर बनाए रख सकता है।बिहार विधानसभा की सीटों पर बात करें तो कुल सीटें: 243 है जिसमें बहुमत का आंकड़ा 122 है। दलवार सीट जिसमें भाजपा- 89, जेडी(यू) -85, एनडीए कुल - 174, राजद - 25, कांग्रेस -6, वाम दल (सीपीआई(एमएल), सीपीआई(एम)) - 3, महागठबंधन कुल- 34,एलजेपी (आरवी)- 19, एआईएमआईएम - 5, हैम(एस) - 5, आरएलएम- 4 सहित अन्य 2 हैं।नीतीश कुमार के केंद्र में मंत्री बनने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, हाल के राजनीतिक घटनाक्रमोंख्रखासकर उनके राज्यसभा जाने की चर्चाओंख्रके बाद यह अटकलें जरूर तेज हुई हैं कि वे केंद्र की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अगर वे राज्यसभा सदस्य बनते हैं, तो सैद्धांतिक रूप से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना संभव हो जाता है।खैर यह तो भविष्य के गर्त में है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा से अगर कोई आता है तो यह समय सही है क्योंकि बिहार एक संभावनाओं और चुनौतियों का प्रदेश है। भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित बिहार एक ऐसा प्रदेश है, जिसकी पहचान इतिहास, संस्कृति और संघर्षों के अनूठे संगम के रूप में होती है। यह वही धरती है, जहाँ प्राचीन काल में ज्ञान और सभ्यता के केंद्र विकसित हुएख्रचाहे वह नालंदा विश्वविद्यालय हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय। लेकिन आधुनिक समय में बिहार को अक्सर पिछड़ेपन और विकास की चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाता है।बिहार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल युवा आबादी है। यह जनसंख्या यदि सही दिशा में मार्गदर्शित हो, तो प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है। कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन उद्योगों का अभाव और रोजगार के सीमित अवसर युवाओं को पलायन के लिए मजबूर करते हैं। यही कारण है कि बिहार के श्रमिक देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी मेहनत का लोहा मनवाते हैं।राजनीतिक दृष्टि से भी बिहार हमेशा चर्चा में रहा है। नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने सुशासन और विकास के मुद्दों को केंद्र में लाने की कोशिश की है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की मजबूरियाँ अक्सर नीतियों की निरंतरता में बाधा बनती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार के प्रयास हुए हैं, परंतु अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। सामाजिक दृष्टिकोण से बिहार में बदलाव की एक नई लहर दिखाई दे रही है। महिलाओं की शिक्षा और सहभागिता बढ़ी है, पंचायत स्तर पर उनकी भागीदारी ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। वहीं, आधारभूत संरचनाख्रसड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटीख्रमें भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि बिहार के सामने चुनौतियाँ कम नहीं हैं।

भारत सरकार की चुप्पी

भारत सरकार की चुप्पी देश में लाचारी का बोध पैदा कर रही है। भारतीय विदेश नीति ऐसे मुकाम पर क्यों आ पहुंची, जिसमें ना कोई स्पष्ट रुख दिखता है, और ना ही देश की स्वतंत्र पहचान की रक्षा करने की कोई रणनीति? पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में बयान दिया, लेकिन विपक्षी सदस्यों को उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का मौका नहीं दिया गया। विपक्ष इस बेहद गंभीर संकट पर संसद में बहस चाहता है, लेकिन सत्ता पक्ष को उस पर एतराज है! नतीजतन, सरकार जितना कहना चाहती थी, उसके अतिरिक्त जो असमंजस लोगों के मन में हैं, उस पर अस्पष्टता बनी रह गई है। ऐसी कुछ बातों को बाद में कांग्रेस ने अपने सार्वजनिक बयान में शामिल किया।

इसमें ध्यान दिलाया गया कि विदेश मंत्री ने ईरानी नौसेना के जहाज दिना को भारतीय ष्रणनीतिक क्षेत्रष् में डुबोने की अमेरिकी कार्रवाई पर विरोध नहीं जताया, ना ही उन्होंने एक संप्रभु राष्ट्र के राज्य-प्रमुख की हत्या की निंदा की। ना ही उन्होंने जारी युद्ध से भारत के सामने आई गंभीर भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के समाधान के बारे में कोई राय रखी। कांग्रेस ने कहा कि इस समय विश्व प्रणाली में आ रहे बुनियादी परिवर्तन के मद्देनजर भारत को क्या नजरिया अपनाना चाहिए, विदेश मंत्री इस संबंध में भी कोई अंतर्दृष्टि सामने रखने में विफल रहे। ये वो बातें हैं, जो भारतीय जनमत के एक बड़े हिस्से के मन में हैं।जनमत का यह हिस्सा इनको लेकर ना सिर्फ चिंतित है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भारत की अनुपस्थिति देखकर आहत भी है। यह व्यग्रता तब और बढ़ जाती है, जब अमेरिकी अधिकारी भारत को श्अनुमति देने्य की बात करते हैं और उनकी श्निर्देशों्य का पालन करने की भारत की श्अच्छी भूमिका्य की तारीफ करते हैं। उनमें से कोई अधिकारी जब भारत की जमीन पर आकर ये एलान करता है कि अमेरिका चीन की तरह भारत के उदय में सहायक नहीं बनेगा, तो ये बेचैनी आक्रोश में बदल जाती है। इन सब पर भारत सरकार की चुप्पी देश में लाचारी का बोध पैदा कर रही है। ऐसे में ये सवाल प्रासंगिक है कि आखिर भारत की विदेश नीति ऐसे मुकाम पर क्यों आ पहुंची, जिसमें ना कोई स्पष्ट रुख नजर आता है, और ना ही देश की स्वतंत्र पहचान की रक्षा करने की कोई रणनीति?

हिन्दी दैनिक जोखिम

साहसिक फैसलों से राष्ट्रीय फलक पर छाए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

-यूसीसी, नकल विरोधी कानून के जरिए देश के सामने पेश किया सुशासन का मॉडल

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड की राजनीति में बीते चार वर्षों का दौर केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नीतिगत फैसलों के स्तर पर भी राज्य ने राष्ट्रीय पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ऐसे कई निर्णय लिए, जिन्होंने न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया बल्कि देश के सामने एक नया मॉडल भी प्रस्तुत किया।नकल विरोधी कानूनसरकारी नौकरियों में नकल माफिया के कुचक्र को तोड़ने के लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने फरवरी 2023 से उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय), कानून लागू कर प्रदेश और देश को एक मॉडल नकल विरोधी कानून दिया। इसके बाद से उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से समय पर बिना बाधा के सम्पन्न हो रही हैं। पहले भर्तियों में औसतन दो से तीन साल का समय लग रहा था, अब औसतन एक साल में ही भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जा रही है। इस कानून के तहत भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल कराने या अनुचित साधनों में संलिप्तता पाए जाने पर आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। साथ में 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना और दोषियों की संपत्ति जब्त करने का भी प्रावधान है। पारदर्शी भर्ती पक्रिया के चलते बीते चार साल में प्रदेश में 30 हजार से अधिक युवाओं का सरकारी नौकरी मिल चुकी है।यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्यसरकार ने 27 जनवरी 2025 से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर दी है। इसी के साथ उत्तराखंड आजाद भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। इसके बाद देश के कई राज्यों ने इस दिशा में पहल की है। धामी सरकार ने दंगा, हड़ताल, विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवी तत्वों पर लगाम कसने के लिए 2024 से 'उत्तराखंड लोक एवं निजी सम्पत्ति क्षति वसूली कानून' लागू कर दिया है। इस कानून के जरिए उत्तराखंड में विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों से नुकसान की भरपाई, बाजार भाव के हिसाब से किए जाने का प्रावधान है।गैंगस्टर एक्ट को बनाया सख्तधामी सरकार ने गैंगस्टर एक्ट में संशोधन करते हुए गोवध, मानव तस्करी, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, नकल माफिया, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों को इसके दायरे में ला दिया है। इसी तरह जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है, जिसमें दोष सिद्ध होने पर 10 साल की गैर-जमानती सजा और 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।उत्तराखंड आंदोलनकारी आरक्षणराज्य सरकार ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को फिर लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आंदोलनकारी आरक्षण पर जारी कानूनी उलझन को सुलझाकर वर्षों से लंबित इस विधेयक को नए सिरे से विधानसभा से पारित करवाया। यह कानून 11 अगस्त 2004 की तिथि से लागू किए जाने के फलस्वरूप विभिन्न राज्याधीन सेवाओं व पदों पर चयनित राज्य आंदोलनकारियों की गई नियुक्तियां वैध मानी जाएंगी।बड़े फैसले, बड़ा संदेशनकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शितासमान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्यदंगाइयों से वसूली के लिए विशेष कानून गैंगस्टर एक्ट और धर्मांतरण कानून को सख्त बनाया

ग्राम पंचायत बगोड़ी में लिया गया शराबबंदी का निर्णय

उत्तरकाशी (संवाददाता)। चिन्यालीसौड़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बगोड़ी में सोमवार को ग्राम प्रधान देवराज बिष्ट की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में सामाजिक सुधार एवं ग्राम विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर बगोड़ी को शराब मुक्त गांव बनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।बैठक में ग्रामवासियों, महिला मंगल दल एवं युवा मंगल दल ने एकजुट होकर नशामुक्त समाज की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाते हुए शराबबंदी के प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन किया। ग्राम प्रधान देवराज बिष्ट ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि समाज की नैतिक एवं सामाजिक संरचना को भी कमजोर करता है। ग्रामीण क्षेत्र में युवा पीढ़ी को इससे दूर रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कहा कि यह निर्णय ग्रामवासियों की सर्वसम्मति एवं जनभावनाओं के अनुरूप लिया गया है।

अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक सूचकांक में तक शानदार सुधार

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विगत चार साल के कार्यकाल में, राज्य के आर्थिक, सामाजिक सूचकांक प्रगति की असल कहानी बयां करते हैं। इस दौरान उत्तराखंड ने अर्थव्यवस्था से लेकर बुनियादी ढांचा, रोजगार और सामाजिक विकास के कई मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य की अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन किया है। रोजगार, स्वरोजगार को बढ़ावा दिए जाने के लिए जारी राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024- 25 में राज्य की जीएसडीपी 3,81, 889 करोड़ रुपए दर्ज की गई, इस तरह वर्ष 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना का उछाल आया है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय भी 2021-22 में 1 लाख 94 हजार 670 थी, जो अब बढ़कर 2 लाख 74 हजार रुपए तक पहुंच गई है। वर्ष 2024- 25 में राज्य की ग्रोथ रेट 7.33 प्रतिशत रही। बीते चार साल में राज्य के मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स में भी आशातीत सुधार आया है, वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत के मुकाबले, यह अब घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2021-22 में प्वाइंट 718 (.718) प्रतिशत था जो अब सुधर कर प्वाइंट 722 (.722) प्रतिशत हो गया है।उद्योग को मिला बढ़ावाधामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य के भीतर एमएसएमई इकाईयों की संख्या 59,798 से बढ़कर 79,394 तक पहुंच गई है, अकेले इस क्षेत्र में अब 4.56 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। बीते चार साल में लार्ज इंडस्ट्री 107 से बढ़कर 128 और स्टार्टअप्स की संख्या 702 से बढकर 1,750 तक पहुंच गई है। साथ ही लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट भी 64.4% हो गया है।

धामी सरकार के चार साल में केंद्र से मिली महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी

-सड़क, रेल, रोपवे, सिंचाई और पेयजल से जुड़ी कई परियोजनाओं को मिली गति

देहरादून (संवाददाता)। डबल इंजन वाली सरकार के बीते चार साल के कार्यकाल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बीच मजबूत कैमिस्ट्री देखने को मिली। इस दौरान केंद्र सरकार ने जहां एक और राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली, कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी, वहीं राज्य के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की है। केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में उत्तराखंड के भीतर लगभग दो लाख करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक और आधारभूत संरचना को नई दिशा देने वाली हैं। जल संसाधन के क्षेत्र में लंबे समय से जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं की प्रतीक्षा की जा रही थी, जिन्हें केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिल गई है। ये परियोजनाएं न केवल पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा करेंगी, बल्कि शहरी विस्तार और औद्योगिक विकास के लिए भी आधार तैयार करेंगी।बीते चार साल में रेल कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी उत्तराखंड ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं, टनकपुर से बागेश्वर तक प्रस्तावित रेल लाइन को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलना, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लगभग 48 हजार करोड़ रूपए की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुरू होने से कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है। इस बीच ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन भी तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रही है।सड़क एवं रोपवे प्रोजेक्ट : बीते चार सालों में सड़क और रोपवे परियोजनाओं ने भी गति पकड़ी है। दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड, नजीबाबाद-अफजलगढ़ बाईपास और सितारगंज-टनकपुर मोटरमार्ग जैसे प्रोजेक्ट्स इसका उदाहरण हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से गौरीकुंड से केदारनाथ और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब रोपवे पर भी काम शुरू होने जा रहा है। एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए ऋषिकेश में 100 करोड़ रूपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर का राफ्टिंग प्लेटफॉर्म भी तैयार किया जा रहा है। इससे उत्तराखंड को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूती मिलेगी।

रेस्टोरेंट में लकड़ी की भट्टी पर बन रहा भोजन

ऋषिकेश (संवाददाता)। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और फूड स्टॉल संचालक मुश्किल में हैं। उन्हें ऊर्जा के अन्य स्रोतों का रुख करना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ संचालकों को अधिक जेब ढीली करनी पड़ रही है, बल्कि खाद्य पदार्थ तैयार करने में भी लंबा समय लग रहा है। उन्हें अब आर्थिक संकट की चपेट में आने का डर सता रहा है। सोमवार को नगर क्षेत्र की गैस एजेंसियों के गोदाम में कॉर्मिशयल गैस सिलेंडर का स्टॉक गायब रहा। दूनमार्ग पर त्रिवेणी एजेंसी के संचालक के नीरज सेमवाल ने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडर हैं ही नहीं। सिर्फ मेडिकल संस्थान और छात्रवास को कंपनी से अनुमति मिलन के बाद सिलेंडर डिलीवर किए जा रहे हैं। वहीं, यात्रा बस अड्डा मार्ग पर रेस्टोरेंट चलाने वाले राजेंद्र भंडारी ने बताया कि तीन दिनों से गैस नहीं है। रेस्टोरेंट किराये पर है, तो इसके लिए रकम जुटानी है, खुद और कर्मचारियों का वेतन भी निकालना है।फिलहाल इंडक्शन और लकड़ी की भट्टी पर भोजन बनाया जा रहा है, जिसमें लागत काफी अधिक आ रही है। रायवाला में भी होटल संचालक भारत भूषण इसी तरह से भोजन तैयार कर रहे हैं। पूर्ति निरीक्षक शिवमोहन भट्ट के मुताबिक एजेंसियों ने कंपनियों को ऑर्डर दिया है। आपूर्ति होने के बाद ही रेस्टोरेंट आदि में सरकार की ओर से निर्धारित नियम के तहत ही डिलीवरी की जाएगी।पहले 200, अब एक दिन में 1,000 बुकिंगत्रिवेणी गैस एजेंसी संचालक नीरज सेमवाल की मानें, तो सामान्य दिनों में उपभोक्ता एक दिन में औसतन 200 सिलेंडर की बुकिंग करते थे, लेकिन मध्य पूर्व में जंग के बाद से मांग तेजी से बढ़ी है। स्थिति यह है कि अब एक दिन में एक हजार तक सिलेंडर बुक हो रहे हैं। हालांकि, 25 दिन बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की सुविधा मिल रही है।

चारधाम पंजीकरण केंद्र में वेतन के लाले

ऋषिकेश (संवाददाता)। चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में तैनात 25 कर्मचारियों को समय से भुगतान नहीं किया जा रहा है। शिकायत करने पर संबंधित आउटसोर्स एजेंसी संचालक उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दे रहा है। पीड़ित कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सहायक श्रमायुक्त से की है, जिसपर उन्हें शीघ्र प्रभावी कार्रवाई का भरोसा मिला है। सोमवार को परेशान कर्मचारी शैल विहार स्थित सहायक श्रमायुक्त कार्यालय पहुंचे। उन्होंने शिकायती पत्र सहायक श्रमायुक्त शैलेष सती को सौंपा। बताया कि वह केंद्र में सुरक्षा, सफाई, पलम्बर, माली और इलेक्ट्रिशियन के तौर पर तैनात हैं। पूर्व में उन्हें महीने में छुट्टियां नहीं दी जा रही थी। शिकायत के बाद आउटसोर्स एजेंसी संचालक ने चार छुट्टियां तो दी, मगर न तो समय पर वेतन का भुगतान हो रहा है और न ही पीएफ का लाभ दिया जा रहा है। बताया कि दो से लेकर चार-चार महीने तक वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है, जिससे न सिर्फ खुद, बल्कि परिवार को भरण-पोषण भी मुश्किल हो गया है।सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि एजेंसी संचालक को नोटिस जारी कर पीएफ को लेकर जवाब-तलब किया जा रहा है। कर्मचारियों को वेतन भी अतिशीघ्र भुगतान करने के निर्देश संचालक को दिए गए हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

पुण्यतिथि तिथि पर शहीद ए आजम को किया याद

ऋषिकेश(संवाददाता)। तीर्थनगरी ऋषिकेश और आसपास क्षेत्र में शहीद-ए-आजम भगत सिंह का शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। विभिन्न संगठनों ने शहीदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर शहीद भगत सिंह और उनके साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरू को श्रद्धांजलि दी। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम परिसर स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह स्वर्णिम अध्याय है, जिसे देश कभी भुला नहीं सकता। इन महान क्रांतिकारियों ने अपने अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति से यह सिद्ध कर दिया कि जब इरादे मजबूत हों तो कोई भी शक्ति आजादी की राह को रोक नहीं सकती भगत सिंह का चिंतन केवल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष तक सीमित नहीं था, बल्कि वह एक ऐसे भारत का सपना देखते थे जहां समानता, न्याय और भाईचारा हो, सुखदेव और राजगुरु ने भी अपने प्राणों की आहुति देकर इस संघर्ष को मजबूती दी और देश के युवाओं के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। इस मौके पर सरदार जगजीत सिंह जग्गी, मनोज गुसाईं, भूपेंद्र राणा, राजेंद्र कोठारी, गौरव यादव, अमनदीप सिंह, अमित उप्पल, दीपक जैन, तरूण प्रभाकर, विकास अत्री, सोनू कुमार, वरूण शर्मा आदि उपस्थित रहे। उधर, वन्दे मातरम् ग्रुप ने नगर निगम परिसर स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उपस्थित लोगों ने देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा परिसर गूंज उठा। सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र पाल पाठी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। मौके पर वंदेमातरम ग्रुप के महानगर अध्यक्ष आकाश पाल, पार्षद अजय दास, सलीम खान, छात्र संघ सहसचिव तानिया पाल, सह संयोजक रूबी, आलेख शर्मा, विराट, विवेक गुप्ता, निखिल पाल, भविष्य पाल, अक्षय पाल, आयुषी, तन्मय पाल, मानव डोगरा, देव शर्मा, अनमोल आदि उपस्थित रहेशहीदों का जीवन त्याग, तप और अदम्य साहस की मिसाल: स्वामी चिदानंदपरमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि इन शहीदों का साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम न केवल स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में प्रेरणा का स्रोत था, बल्कि आज भी हर भारतीय के हृदय में 'राष्ट्र सर्वोपरि और राष्ट्र प्रथम' की ज्योति प्रज्वलित करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता, अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिसे हमें सदैव सहेजकर रखना है। उनका जीवन त्याग, तप और अदम्य साहस की मिसाल है।राजकीय अवकाश घोषित करे सरकार: डोईवाला। श्री गुरुनानक देव वेलफेयर सोसाइटी ने चांदमारी स्थित भगत सिंह चौक पर लगी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोसायटी सदस्य बलवीर सिंह ने कहा कि शहीदों की पुण्यतिथि पर राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। यही उन वीरों के प्रति सच्चा सम्मान होगा। इस मौके पर मास्टर जितेन्द्र कुमार, सरदार अरविंदर सिंह, जसवीर सिंह, उमेद वोरा, अवतार सिंह, जरनैल सिंह, अरविंदर सिंह, धर्म पाल, लखीराम और रघुवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में सीपीआई कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

उत्तरकाशी(संवाददाता)। शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस पर जिला मुख्यालय में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर व किसान विरोधी बताते हुए कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र भी प्रेषित किया।सीपीआई कार्यकर्ता सोमवार को काली कमली धर्मशाला में एकत्रित हुए। यहां शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर मजदूरों और किसानों के हित में चर्चा हुई। इसके बाद जुलूस की शक्ल में मुख्य बाजार होते हुए कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। सीपीआई नेता महावीर प्रसाद भट्ट ने कहा कि केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण मजदूर और किसान बेहाल है। श्रम कानूनों में बदलाव, लेबर कोड लागू करना और सार्वजनिक संपत्तियों का निजीकरण जैसे कदम मजदूर वर्ग के हितों के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र सरकार से भारत-अमेरिका व्यापार समझौता निरस्त करने, बिजली संशोधन विधेयक व लेबर कोड वापस लेने, मनरेगा बहाल करने, स्मार्ट मीटर बंद करने, किसानों को एमएसपी की गारंटी देने, भोजन माताओं व नलकूप श्रमिकों को 21 हजार मासिक वेतन देने, सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों में महावीर प्रसाद भट्ट, दुर्गा देवी, शीला देवी, रविन्द्री देवी, रेशमा देवी, राजेंद्र सिंह, अत्तर सिंह, लक्ष्मण सिंह, मनवीर सिंह, जगदीश आदि शामिल थे।

उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

उत्तरकाशी(संवाददाता)। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने वेतन विसंगति दूर करने, डिप्लोमा इंजीनियर्स की पदोन्नति के लिए समानातंर व्यवस्था सहित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। साथ मांगों का निस्तारण न होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। सोमवार को बड़ी संख्या में प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के सदस्य संघ भवन में एकत्रित हुए। वहां उन्होंने अपनी 27 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर धरना शुरू किया। संघ के उपाध्यक्ष दरबान सिंह सरियाल ने कहा कि संघ लंबे समय से वेतन विसंगति दूर करने, 10, 16 और 26 वर्षों में एसीपी का लाभ, पुरानी पेंशन बहाली, विभागों में कनिष्ठ अभियन्ता, मेट, बेलदार आदि खाली पड़े पदों को भरने सहित 27 सूत्रीय मांग कर रहे हैं।

युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध कराता है एनएसएस: कुलपति

ऋषिकेश(संवाददाता)। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश का सात दिवसीय एनएसएस शिविर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। शिविर में 150 छात्र छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। पहले दिन वक्ताओं ने स्वयं सेवियों को एनएसएस की महत्ता की जानकारी दी।सोमवार को पीएमश्री राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज आईडीपीएल में श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश के सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. एनके जोशी व परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया।कुलपति प्रो. एनके जोशी ने युवाओं की सामाजिक भागीदारी, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर बल दिया। कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तिगत विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता के निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का आह्वान किया। परिसर निदेशक प्रो. एमएस रावत ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एनएसएस शिविर का आयोजन किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवियों में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार मैंदोला ने कहा कि शिविर में 150 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्देश्य विकसित भारत 2047 है। सात दिवसीय शिविर के दौरान विकसित भारत 2047 के अंतर्गत रिसोर्स पर्सन के उद्देश्य से संबंधित व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे, जन जागरूकता, स्वच्छता अभियान, एड्स जागरूकता कार्यक्रम, सरकारी योजनाओं की जानकारी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया अभियान, कैशलेस इंडिया, पौधरोपण आदि विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

कूड़ा निस्तारण को लेकर 95वें भी दिन धरने पर डटे रहे आंदोलनकारी

उत्तरकाशी(संवाददाता)। शहर में कूड़ा निस्तारण की मांग को लेकर गोपीनाथ सिंह रावत के नेतृत्व में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को 95वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से जारी इस आंदोलन के बावजूद नगर पालिका और जिला प्रशासन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाई जिससे आंदोलनकारियों में आक्रोश है। धरनास्थल पर मौजूद युवा सामाजिक कार्यकर्ता गोपीनाथ ने कहा कि जब तक स्थायी ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण नहीं किया जाता, तब तक शहर के कूड़ा निस्तारण की समस्या का समाधान संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रेंचिंग ग्राउंड के नाम पर करीब 45 से 50 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम दिखाई नहीं दे रहा। गर्मी बढ़ने के साथ ही तांबाखाणी सुरंग और आसपास के क्षेत्रों में बदबू की समस्या उत्पन्न होने लगी है जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। आंदोलनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता उनका धरना जारी रहेगा। धरना स्थल पर नितिन रावत, पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, मोहित सिंह चौहान, जितेंद्र, रितेश चौहान, आलोक राणा, राहुल चौहान उपस्थित रहे।

सरकार की चार साल की उपलब्धियों को गिनाया

उत्तरकाशी (संवाददाता)। प्रदेश सरकार के चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर जिला मुख्यालय सहित जनपदभर में विभिन्न कार्यक्रम हुए। इस मौके पर उत्कृष्ट काश्तकारों व स्वयं सहायता समूह की लाभार्थियों को चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया। यात्रा को सुव्यवस्थित बनाने के लिए उत्तरकाशी में 6 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आधुनिक बस अड्डे का निर्माण कराया गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार, गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा नागेंद्र चौहान, चंदन सिंह पंवार, खुशहाल नेगी, एडीएम मुक्ता मिश्र, एसडीएम शालिनी नेगी, परियोजना निदेशक अजय सिंह, डीडीओ रमेशचंद्र आर्य आदि मौजूद रहे। पुरोला। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश लाल ने की। विधायक ने शालिता देवी, आरती देवी, विनिशा देवी, सुषमा भवानी, ललिता राणा, प्रियंका, उत्तम रेखा और संतोषी देवी को स्मार्ट फोन वितरित कर सम्मानित किया। इस मौके पर भाजपा ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र पंवार, प्यारेलाल हिमानी, बलदेव रावत, मोहबत सिंह नेगी, अनिल शर्मा, त्रिलोक प्रसाद बिजल्वान, राजेश बिजल्वान, अर्जुन चौहान आदि मौजूद रहे।

गंगोत्री हाईवे यातायात के लिए सुचारू, धाम में बिजली आपूर्ति ठप

उत्तरकाशी(संवाददाता)। गंगोत्री घाटी में बर्फबारी के कारण बाधित गंगोत्री हाईवे धाम तक आवाजाही के लिए सुचारु हो गया है। राजमार्ग पर बर्फबारी के चलते फिसलन बरकरार रहने से आवागमन जोखिम भरा बना है। वहीं धराली से गंगोत्री तक विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त होने के कारण आपूर्ति बाधित पड़ी है। गंगोत्री घाटी में जमकर बर्फबारी हुई जिससे हाईवे सुक्की टॉप से आगे वाहनों की आवाजाही के लिए बाधित हो गया था। दो दिन पहले बीआरओ ने गंगोत्री हाईवे पर बर्फ हटाकर धराली तक मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया था जबकि इससे आगे वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही थी। सोमवार को बीआरओ की मशीनरी ने हाईवे को गंगोत्री तक पूरी तरह आवाजाही के लिए खोल दिया। वहीं धराली से गंगोत्री के बीच जगह-जगह 11 केवी की विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी है जिससे गंगोत्री धाम में भी बिजली सप्लाई बाधित है। ऊर्जा निगम उत्तरकाशी के अधिशासी अभियंता मनोज गुसाई ने बताया कि बीते दिनों की बर्फबारी के कारण लाइनें क्षतिग्रस्त होने से बिजली ठप है। लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य चल रहा है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर लकड़ी के फट्टों से हटाई जा रही बर्फ

उत्तरकाशी(संवाददाता)। चारधाम यात्रा को लेकर यमुनोत्री पैदल मार्ग पर लोनिवि की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पैदल मार्ग पर तैनात मजदूर बर्फ हटाने के लिए फावड़े या जरूरी उपकरणों के बजाय लकड़ी और प्लाईवुड के फट्टों का इस्तेमाल करते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि विभाग यात्रा तैयारियों को गंभीरता से लेने के बजाय केवल खानापूर्ति कर रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब यात्रा शुरू होने में एक महीने से भी कम समय बचा है तब इस धीमी रफ्तार से काम आखिर कैसे पूरा होगा। 19 अप्रैल को यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का शुभारंभ होना है लेकिन मौजूदा हालात देखकर लगता है कि यमुनोत्री पैदल मार्ग पर तैयारियां अभी भी काफी सुस्त गति से आगे बढ़ रहा है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

काठगोदाम सर्किट हाउस सभागार काठगोदाम में जनगणना 2027 के मास्टर ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

हल्द्वानी (संवाददाता)। /कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सोमवार को काठगोदाम सर्किट हाउस सभागार काठगोदाम में जनगणना 2027 के मास्टर ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है, यह जनगणना ही उसका आधार तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि समस्त विकास योजनाएं जनगणना के आंकड़ों पर ही आधारित होती है इसलिए यह बहुत जिम्मेदारी का कार्य है।' जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत होने वाली मकानों एवं परिवारों के सूचीकरण कार्य के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सर्किट हाउस काठगोदाम में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र नेगी के संचालन में फील्ड प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर जिला अर्थ संख्याधिकारी डा0 मुकेश नेगी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में जनगणना की प्रक्रिया, मकानों और परिवारों के सूचीकरण और डिजिटल माध्यम से डाटा संग्रहण की जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र नेगी ने कहा कि जनगणना पहली बार डिजिटल माध्यम से करायी जा रही है। जिसके लिए मोबाइल एप के जरिए डाटा संकलन किया जाएगा। उन्होंने प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनरों को एप के संचालन, डाटा एंट्री और सर्वेक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि जनगणना प्रशासन की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। उन्होंने कहा कि आंकड़े अधूरे व त्रुटिपूर्ण ना हो। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके लिए प्रशिक्षण के माध्यम से फील्ड ट्रेनरों को पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया डिजिटल माध्यम से होने वाली जनगणना से डाटा संग्रहण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगी। उन्होंने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और जनगणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराने का आह्वान किया। जनगणना निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने वीसी के माध्यम से बताया कि मकान गणना के तहत 10 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक 15 दिन की अवधि में प्रदेश की जनता को स्व गणना का विकल्प भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में जनगणना की तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान हाउस लिस्टिंग ऑफिसर (एचएलओ) के गठन, डेटा संकलन एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर विस्तार से बताया।

शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में पदयात्रा का आयोजन

देहरादून संवाददाता। शहीदी दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत देहरादून के तत्वावधान में श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. मालविका रही। इस अवसर पर एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी आनंद एवं कमला जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेरा युवा भारत देहरादून की उपनिदेशक मोनिका नांदल ने जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम का शुभारंभ देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों शहीद राजगुरु, भगत सिंह एवं सुखदेव के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उपस्थित अतिथियों द्वारा युवाओं को देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित किया गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय परिसर से पथरीबाग चौक तक पदयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने "मेरा भारत मेरी जिम्मेदारी", "इंकलाब जिंदाबाद", "भारत माता की जय" जैसे जोशीले नारों के साथ वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। यह आयोजन युवाओं में राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

बनभूलपुरा में हुए दंगे को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा बयान

हल्द्वानी (संवाददाता)।/ मेयर गजराज बिष्ट एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। ब्लॉक सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 8 फरवरी 2024 को बनभूलपुरा में हुए दंगे को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा बयान दिया।उन्होंने कहा कि दंगे में शामिल लोगों को रेलवे अतिक्रमण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा दंगाइयों ने पुलिस कर्मियों, सफाई कर्मचारियों और मीडिया से जुड़े लोगों के साथ मारपीट की थी और शहर की फिजा को खराब करने का काम किया है,ऐसे में उन्हें किसी भी सरकारी योजना का फायदा नहीं मिलना चाहिए।मेयर गजराज बिष्ट ने यह भी कहा कि ऐसे दंगाइयों को हल्द्वानी में रहने दिया जाए या नहीं, इस पर भी प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए

एक कारोबारी की ई-रिक्शा की टक्कर से मौत

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में ई-रिक्शा हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला मुखानी थाना क्षेत्र का है, जहां मॉर्निंग वॉक पर निकले एक कारोबारी की ई-रिक्शा की टक्कर से मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बिठौरिया नंबर एक चौफुला पुल निवासी भूपाल सिंह (49) शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान चौफुला के पास एक ई-रिक्शा अचानक तेजी से पीछे की ओर आया और उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई।परिजन उन्हें तुरंत नैनीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां जांच में उनके सिर में खून का थक्का जमने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने उनका ऑपरेशन भी किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और रविवार सुबह करीब सात बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के छोटे भाई मनोज बिष्ट के अनुसार, ई-रिक्शा चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ भूपाल सिंह अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा है। बड़ी बेटी डिंपल (20) बीएससी की छात्रा है, जबकि बेटा गौतम (18) बीकॉम कर रहा है। उनकी असमय मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।गौरतलब है कि इससे पहले 13 फरवरी 2026 को भी हल्द्वानी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया था। एलआईयू में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर मीना पांडे के पति और कारोबारी नरेश चंद्र तिवारी (59) की तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से मौत हो गई थी। यह हादसा नवाबी रोड चौराहे के पास कालाढूंगी रोड स्थित पशु चिकित्सालय के सामने हुआ था, जब वह सड़क पार कर रहे थे। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। लगातार हो रहे ऐसे हादसों के बाद शहरवासियों ने प्रशासन से ई-रिक्शा संचालन पर सख्ती और ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है

नशा तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के निर्देश पर जिले में नशा तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान वन विभाग के जू डम्पिंग जोन, बागजाला के पास से दो संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 91.10 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी बाजार कीमत करीब 27 लाख रुपये आंकी गई है।पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आनन्द सिंह रावत और रोहित थापा के रूप में की है। इनमें आनन्द सिंह रावत के पास से 68.35 ग्राम तथा रोहित थापा के पास से 22.75 ग्राम स्मैक बरामद की गई।इस मामले में थाना काठगोदाम में एफआईआर संख्या 37/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी आनन्द सिंह रावत के खिलाफ पहले भी कोतवाली हल्द्वानी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे स्मैक को सितारगंज (उधम सिंह नगर) निवासी पिंचू नामक व्यक्ति से खरीदकर हल्द्वानी में बेचते थे। पुलिस अब इस सप्लायर की तलाश में जुटी है।कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उप निरीक्षक दिलीप कुमार, कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल त्रिलोक रौतेला (एसओजी) और कांस्टेबल भानू प्रताप (एसओजी) शामिल रहे।इस सफल कार्रवाई पर एसएसपी नैनीताल ने पुलिस टीम को 2,000 रुपये के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

धामी सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर अल्मोड़ा में कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा (संवाददाता)। धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद मुख्यालय के मल्ला महल में बहुउद्देशीय शिविर एवं कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी और सेवाएं उपलब्ध कराईं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें उन्होंने सरकार के चार वर्षों के कार्यकाल को उपलब्धियों से भरा बताते हुए राज्य के विकास की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम स्थल पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मेयर अजय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य ने बीते चार वर्षों में विकास और सुशासन का मजबूत मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने समान नागरिक संहिता, भू-कानून और नकल विरोधी कानून जैसे निर्णयों को राज्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। सीधे प्रसारण में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विकास के साथ सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापित की है। राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि दर्ज हुई है और जीएसडीपी तथा प्रति व्यक्ति आय में इजाफा हुआ है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

6 अप्रैल से पूर्व सैनिकों के पुत्रों के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग की ओर से पूर्व सैनिकों के पुत्रों को सेना, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए तैयार करने हेतु भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 6 अप्रैल से 31 मई 2026 तक प्रसार प्रशिक्षण केंद्र, हवालबाग में संचालित होगा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल विजय मनराल (सेवानिवृत्त) ने बताया कि जनपद अल्मोड़ा के इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों का चयन 4 अप्रैल 2026 को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, चौघानपाटा में किया जाएगा। अन्य जनपदों के अभ्यर्थियों का चयन संबंधित जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों द्वारा कर उन्हें 6 अप्रैल तक प्रशिक्षण केंद्र भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों की आयु 17 से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 45 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल उत्तीर्ण निर्धारित की गई है, जबकि भारतीय मूल के गोरखा अभ्यर्थियों के लिए केवल दसवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा अभ्यर्थी का वजन कम से कम 46 किलोग्राम तथा सीना 77 से 82 सेंटीमीटर होना चाहिए। आवेदन के समय अभ्यर्थियों को हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, एक पासपोर्ट आकार का फोटो, चिकित्सा प्रमाण पत्र, पिता की डिस्चार्ज बुक, रिकॉर्ड कार्यालय का पार्ट-2 आदेश या संबंध प्रमाण पत्र, ईसीएचएस कार्ड तथा 10 रुपये के स्टांप पेपर पर शपथ पत्र साथ लाना होगा। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 05962-232210 और 05962-230246 पर संपर्क किया जा सकता है।

मनरेगा से चार वर्षों में 11697 लाख रुपये से अधिक के हुए कार्य

अल्मोड़ा(संवाददाता)। राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनपद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत हासिल उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना विकास और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। जिला विकास अधिकारी एसके पंत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक मनरेगा के तहत 11697.71 लाख रुपये व्यय कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस अवधि में वर्ष 2022-23 में 37,272, वर्ष 2023-24 में 26,879, वर्ष 2024-25 में 24,185 और वर्ष 2025-26 में 19,928 परिवारों को रोजगार मिला, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत जनपद में वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक कुल 90 सरोवरों का निर्माण किया गया है। इनमें 79 सरोवर मनरेगा के तहत और 11 सरोवर जलागम प्रबंध न विभाग द्वारा बनाए गए हैं। इन सरोवरों को आजीविका से जोड़ते हुए 31 सरोवरों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इनमें 19 सरोवरों में मत्स्य पालन और 3 में उद्यान विभाग की गतिविधियां संचालित हो रही हैं। मत्स्य पालन के माध्यम से अब तक 22.36 कुंतल मछली उत्पादन किया गया है, जिससे 3 लाख 96 हजार रुपये की आय अर्जित हुई है। इससे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ ही आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

शहीद दिवस पर यूकेडी ने शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

अल्मोड़ा(संवाददाता)। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु की पुण्यतिथि पर सोमवार को उत्तराखंड क्रांतिदल, अल्मोड़ा द्वारा शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, देशभक्ति और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने कहा कि 23 मार्च 1931 को देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले इन वीरों का बलिदान आज भी समाज, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने और राज्य के विकास व संरक्षण के लिए समर्पित रहने का

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत जनपद में तैनात 40 फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से कलेक्ट्रेट सभागार में शुरू हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसकी सफलता प्रशिक्षित और सक्षम कार्मिकों पर निर्भर करती है। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा व दक्षता के साथ करने की अपेक्षा जताई।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, 27 सूत्रीय मांगों पर अड़े

अल्मोड़ा (संवाददाता)। लंबे समय से लंबित मांगों के पूरा न होने से राजकीय डिप्लोमा इंजीनियर्स में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के द्वितीय चरण के आंदोलन के तहत शाखा अल्मोड़ा द्वारा शक्ति सदन में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी गई। हड़ताल कार्यक्रम के तहत आयोजित बैठक की अध्यक्षता सहायक अभियंता पुनीता रानी ने की। इस दौरान महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग उठाई गई। प्रमुख मांगों में 10 वर्ष में प्रथम एसीपी के रूप में 5400 ग्रेड पे, 2006 से चली आ रही कनिष्ठ अभियंता पद की वेतन विसंगति को दूर करना, पूर्व व्यवस्था के अनुसार 10, 16 और 26 वर्ष की सेवा पर क्रमशः 5400, 6600 और 8700 ग्रेड पे प्रदान करना, जल निगम और जल संस्थान का एकीकरण, सहायक अभियंता से उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए समानांतर व्यवस्था लागू करना तथा पुरानी पेंशन योजना लागू करना शामिल है। बैठक में मौजूद इंजीनियर्स ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रखी जाएगी। आंदोलन को लेकर कर्मचारियों में एकजुटता भी दिखाई दी। बैठक में मंडल सचिव कुमाऊं दीपक मटियाली, कुमाऊं मंडल महामंत्री लोनिवि हिमांशु जोशी, शाखा अध्यक्ष पूरन रावत, शाखा सचिव हितांशी नैलवाल, जनपद अध्यक्ष लोनिवि गणेश जोशी,स्वाती पटवाल, दिव्या बिष्ट, तनुजा राणा गैड़ा, प्रदीप जोशी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

हाईवे की बदहाली को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

काशीपुर (संवाददाता)।काशीपुर-रामनगर हाईवे के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने पर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए सड़क निर्माण की मांग की। साथ ही मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। सोमवार को कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अलका पाल और एआईसीसी सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनुपम शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महानगर अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि काशीपुर-रामनगर हाईवे की लगभग 30 किमी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त है। जिम कॉर्बेट पार्क को जोड़ने वाली यह सड़क सरकार के विकास दावों की पोल खोल रही है। वहीं, प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर झूठा ढिंढोरा पीट रही है, जिसका उदाहरण काशीपुर-रामनगर हाईवे है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो कांग्रेसी आंदोलन छेड़ देंगे।

मक्का की खेती से इथेनॉल उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

रुद्रपुर(संवाददाता)। इथेनॉल उद्योगों के जलग्रहण क्षेत्रों में मक्का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम घुसरी में 'मक्का क्षेत्र दिवस' का आयोजन किया गया। सोमवार को आयोजित सेमिनार में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसंधान सहायक डॉ. रामनिवास ने कहा कि मक्का अब केवल खाद्य फसल नहीं रही, बल्कि एक महत्वपूर्ण औद्योगिक फसल बन चुकी है। वर्तमान में भारत में लगभग 10-12 मिलियन टन मक्का का उपयोग इथेनॉल उत्पादन में किया जा रहा है, जिसे भविष्य में और बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो और देश की जैव-ईंधन नीति को मजबूती मिले। अनुसंधान सहायक डॉ. मनीष ककरालिया ने किसानों को उन्नत मक्का उत्पादन तकनीकों, विशेष रूप से खाद एवं सिंचाई प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मक्का की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में कटाई के बाद प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके लिए मक्के को ढेर में रखने से बचना चाहिए और प्राकृतिक या कृत्रिम ड्रायर का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने मक्का फसल में प्रमुख कीटों की पहचान और उनके एकीकृत प्रबंधन उपायों के बारे में भी किसानों को जागरूक किया। परियोजना प्रबंधक डॉ. एसएल जाट ने बताया कि भारत सरकार की इथेनॉल नीति के कारण मक्का की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे वर्ष 2025-26 में देश का मक्का उत्पादन 50 मिलियन टन से अधिक होने का अनुमान है। कार्यक्रम का संचालन यंग प्रोफेशनल बजरंग जाखड़ ने किया। किसानों ने कहा कि वे पारंपरिक फसलों से हटकर मक्का की खेती अपनाने के लिए उत्साहित हैं और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए तैयार हैं।

धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

रुद्रपुर(संवाददाता)। प्रदेश में धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को रुद्रपुर में जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शिव अरोरा ने मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर विधायक अरोरा ने राज्य सरकार की उपलब्धियां साझा करते हुए कहा कि बीते चार वर्ष उत्तराखंड के विकास के लिए मील का पत्थर साबित हुए हैं। उन्होंने सख्त धर्मांतरण कानून, नकल विरोधी कानून और समान नागरिक संहिता जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख किया। उन्होंने रुद्रपुर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों रिंग रोड निर्माण, आठ लेन सड़क, गांधी पार्क सौंदर्यीकरण, काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण और मेडिकल कॉलेज की शुरुआत को भी गिनाया। क्रॉस कंट्री दौड़ में बालक वर्ग में पुष्कर चंद्र प्रथम, सोलित कुमार द्वितीय और सुरेंद्र सिंह तृतीय रहे। वहीं बालिका वर्ग में अजरा प्रथम, गुंजन द्वितीय और नीलम राठौर तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को अतिथियों ने ट्रैकसूट देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लकड़ी से लदी पांच बाइकों को किया सीज

रुद्रपुर (संवाददाता)। दक्षिणी जौलासाल रेंज में वन विभाग की गश्ती टीम ने पांच बाइकों को जब्त किया है। रविवार की रात्रि में रेंजर महेश महेश जोशी के नेतृत्व में वन दरोगा शेर सिंह बोहरा, त्रिलोक सिंह बोरा, मोनेंद्र सिंह, योगेश गिरी, नीतू, रीना ने रात्रि गस्त के दौरान आरक्षित वन क्षेत्र में लकड़ी लादे बाइकों को जंगल में देखा। वन कर्मियों को देख बाइक सवार अपनी बाइकों को छोड़कर रात के अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गये। वन कर्मियों ने बाइकों व लकड़ी को कब्जे में लेकर सोमवार को ट्रैक्टर ट्रॉली में वन परिसर में खड़ा कर दिया है। रेंजर महेश जोशी ने बताया कि बाइकों के नम्बर के आधार पर बाइक स्वामियों का पता किया जा रहा है। वन अधिनियम के तहत आरोपियों की शिनाख्त कर कार्रवाई होगी। बाइकों को सीज कर दिया है।

रील बनाने के शौक में रखा अवैध तमंचा, गिरफ्तार

रुद्रपुर(संवाददाता)। पुलिस ने 12 बोर के तमंचे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास एक कारतूस बरामद किया। आरोपी ने बताया कि उसने रील बनाने के लिए तमंचा रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। रविवार को उपनि. दीपक जोशी पुलिस कर्मियों के साथ काली मंदिर तिराहे पर गश्त कर रहे थे। इस बीच पुलिस को देखकर एक व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक 12 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी ने अपना नाम मुकेश पुत्र नारायण दास निवासी नई सुनहरी किच्छा बताया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने रील बनाने के तमंचा रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

आयशा खान की चमकी किस्मत, धुरंधर के बाद अब राम चरण की फिल्म पेड्डी के आइटम सॉन्ग में आएंगी नजर

बिग बॉस फेम आयशा खान के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है. तभी तो रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर के गाने शरारत से रातों रात स्टार बनने वाली आयशा खान के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लग चुका है. टीवी पर धमाल मचाने के बाद आयशा खान ने बॉलीवुड में धमाल मचाया और अब वो साउथ इंडस्ट्री में भी गदर मचाने को तैयार है.रिपोर्ट के अनुसार आयशा खान साउथ के सुपरस्टार एक्टर राम चरण की अपकमिंग पेड्डी में एक स्पेशल आइटम सॉन्ग करती हुई नजर आएंगी. पेड्डी का ये स्पेशल सर्घेन्ग आयशा खान के करियर में मिल का पत्थर साबित हो सकता है.रिपोर्ट के अनुसार पेड्डी के इस स्पेशल सॉन्ग में आयशा खान के संग मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आ सकती हैं. ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि आयशा खान एक के बाद एक कर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती हुई नजर आ रही हैं.बता दें पेड्डी में राम चरण और जाह्नवी कपूर को अहम भूमिका में देखा जाएगा. इन दिनों ये फिल्म रिलीज डेट को लेकर भी सुर्खियों में है. दरअसल, खबरें थीं कि ये फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होगी. लेकिन, लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार पेड्डी की रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है.क्योंकि कहा जा रहा है कि फिल्म के कुछ सीन्स को दोबारा शूट किया जाएगा. धुरंधर की सक्सेस को देखने के बाद राम चरण चाहते हैं कि वो अपनी फिल्म के एक्शन सीन्स पर और काम करें. वहीं आयशा खान की बात करें तो उन्हें कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में एक्टिंग करते हुए भी देखा गया था.इस फिल्म में आयशा की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी. इसके अलावा आयशा खान के पास अभी और भी कई प्रोजेक्ट है. आयशा खान सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं. आयशा के इंस्टाग्राम पर 6.4 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जो उन्हें बेहद पसंद कर हैं.

नीना गुप्ता की सीख से बदला संदीपा धर का नजरिया, चुंबक के सेट पर मिली खास सलाह बनी प्रेरणा

फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में सफलता का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। यहां कब कौन-सा काम किसी कलाकार की किस्मत बदल दे, यह पहले से कहना मुश्किल होता है, इसलिए कई अनुभवी कलाकार हमेशा नए कलाकारों को एक ही बात सिखाते हैं- लगातार काम करते रहो और अपने हुनर पर भरोसा रखो। इस कड़ी में एक्ट्रेस संदीपा धर ने भी ऐसा ही एक अनुभव साझा किया है, जिसने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। यह अनुभव उनकी नई वेब सीरीज चुंबक की शूटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां उनकी मुलाकात दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता से हुई। मुलाकात के खास पलों को याद करते हुए संदीपा धर ने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक शॉर्ट फिल्म स्टूडेंट की थी, उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि वही काम आगे चलकर उनके लिए नए मौके लेकर आएगा। लेकिन उसी काम की वजह से उन्हें बाद में फिल्म बधाई हो जैसी बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वह कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन देखेगा और कहां देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता।

थिएटर के बाद ओटीटी पर आ गई है सनी देओल की बॉर्डर 2, नेटफ्लिक्स पर हुई स्ट्रीम

साल 2026 की पहली सुपरहिट फिल्म बॉर्डर 2 ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है. सनी देओल की इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और थिएटर के बाद अब इसे घर बैठे देखने का मौका मिल गया है. अगर आप भी इस फिल्म को देखना चाहते हैं, तो आइए जानते हैं कि इसे ओटीटी पर कहां स्ट्रीम किया जा सकता है.

बता दें, ये फिल्म 1997 में आई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है. बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है और टी-सीरीज-जे.पी. फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म 23 जनवरी को थिएटर नें रिलीज हुई थी. इसमें सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मेधा राणा और मोना सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म में सभी कलाकारों ने जबरदस्त एक्टिंग की है.फिल्म बॉर्डर 2 की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में कमबैक किया है. यह मल्टी-फ्रंट वॉर ड्रामा युद्ध के मुख्य पलों को दिखाता है, जिसमें बसंतर की लड़ाई और ऑपरेशन चंगेज खान शामिल हैं, जो भारतीय सैनिकों की हिम्मत, बलिदान और रणनीति को दिखाता है.बता दें, थिएटर के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर धमाल मचाने आ गई है. सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं. नेटफ्लिक्स पर ये फिल्म, आज यानी 20 मार्च से स्ट्रीम हो रही है.

साउथ में धुरंधर 2 नहीं उस्ताद भगत सिंह का चला जादू, बंपर हुई ओपनिंग, बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

पवन कल्याण, श्रीलीला और राशि खन्ना स्टारर उस्ताद भगत सिंह साल की मच अवेटेड फिल्म थी. 19 मार्च को उगादी के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से क्लैश हुआ. दिलचस्प बात ये है कि उस्ताद भगत सिंह ने तेलुगु भाषी राज्यों में धुरंधर 2 का खेल ही बिगाड़ कर रख दिया और इसी के साथ पवन कल्याण की फिल्म ने धमाकेदार ओपनिंग की है. चलिए यहां जानते हैं उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?

धुरंधर 2 की लहर के बीच रिलीज हुई उस्ताद भगत सिंह ने तेलुगू मार्केट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और इसकी शुरुआत काफी अच्छी रही है. ये टॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म काफी लंबे समय से बन रही थी, और आखिरकार, कई सालों के इंतजार के बाद यह बड़े पर्दे पर रिलीज हुई. गौरतलब है कि पवन कल्याण की पिछली फिल्म ओजी के उल्ट, इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उतना बज देखने को नहीं मिला और यह पूरी तरह से एक्टर की स्टारडम पर भी डिपेंड थी.

जैसा कि उम्मीद थी, पावर स्टार की स्टारडम ने फिल्म को संकट से उबारा और मिले-जुले रिव्यू और दर्शकों के मिक्स्ड वर्ड ऑफ माउथ के बावजूद, फिल्म की शुरुआत काफी अच्छी रही. इसके अलावा, तेलुगू राज्यों (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) में उगादी की छुट्टी होने के कारण भी इस फिल्म को काफी फायदा मिला.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के पहले दिन 31.50 करोड़ के कलेक्शन के साथ ओपनिंग की है.

उस्ताद भगत सिंह की अच्छी शुरुआत हुई है और इसने 31.50 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ भारत में 2026 की टॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है. यह चिरंजीवी की फिल्म माना शंकरा वरा प्रसाद गारू (41.6 करोड़ नेट) से पीछे है. प्रभास की फिल्म द राजा साब (62.9 करोड़ नेट) इस लिस्ट में सबसे ऊपर है.

उस्ताद भगत सिंह की ओपनिंग धमाकेदार हुई है. ऐसे में अब मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म की कमाई में वीकेंड पर तेजी आएगी और ये 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी. देखने वाली बात होगी कि धुरंधर 2 के साथ कंप्टीशन करते हुए ये फिल्म वीकेंड पर कैसा परफॉर्म कर पाती है.

हिन्दी दैनिक जोखिम

प्रधानमंत्री मोदी ने चार वर्ष के कार्यकाल पर दी राज्य सरकार को बधाई

- प्रधानमंत्री का संदेश - चार साल में विकास और सुशासन की नई पहचान बना उत्तराखंड

देहरादून(संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि सदियों से आस्था, अध्यात्म, साहस और समृद्ध परंपराओं की भूमि रही है। यहां की विविध भाषाएं-बोलियां, लोक परंपराएं और सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में हमारी सरकार बनी है, तब से उत्तराखंड 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के माध्यम से प्रदेश में रेल संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।प्रधानमंत्री ने प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने और शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी मदद मिली है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्टार्टअप्स को बढ़ावा तथा डिजिटल और हरित विकास जैसे प्रयासों को सराहनीय बताया। साथ ही, आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया।प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 'अमृत काल' में विकसित भारत के निर्माण में उत्तराखंड की भूमिका और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुदृढ़ उत्तराखंड के निर्माण में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अहम है।अंत में प्रधानमंत्री ने राज्य के नागरिकों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

किसानों के खातों में ससमय मिले एप्पल मिशन का बजट : जोशी

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज अपने कैंप कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ सेब की अति सघन बागवानी योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की स्वीकृत रुपये 2925 लाख की धनराशि के आवंटन को लेकर बैठक की। बैठक के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपदवार मांग के अनुसार धनराशि का शीघ्र आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।कृषि मंत्री गणेश जोशी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रदेश में एप्पल मिशन एवं सेब की अति सघन बागवानी योजना के अंतर्गत किसानों को मिलने वाली लंबित राजकीय सहायता का भुगतान 31 मार्च से पहले हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इस योजना के तहत स्वीकृत 2925 लाख की धनराशि से प्रदेश के कुल 1264 किसान लाभान्वित होंगे। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को पारदर्शिता एवं त्वरित कार्यवाही के साथ योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए। बैठक में सचिव कृषि एसएन पांडेय, बागवानी मिशन निदेशक महेंद्र पाल आदि उपस्थित रहे।

किसानों का जनपदवार विवरण: पौड़ी में 11, टिहरी गढ़वाल के 57, चमोली के 24, उत्तरकाशी के 895, चम्पावत के 16, नैनीताल के 15, अल्मोड़ा के 17, देहरादून के 229 किसानों को सेब की अति सघन बागवानी योजना के तहत राजसहायता का भुगतान होगा।

संक्षिप्त समाचार...

मुख्य सचिव ने जनपदवार गैस आपूर्ति की अद्यतन जानकारी ली, निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय से सभी जिलाधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में एलपीजी गैस उपलब्धता की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एलपीजी घरेलू एवं व्यवसायिक सिलेंडरों की आवश्यक मांग के अनुरूप भी आपूर्ति समय पर किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने जनपदवार गैस आपूर्ति की अद्यतन जानकारी लेते हुए प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं सहित अस्पतालों, शैक्षणिक एवं अन्य संस्थानों को भी निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को एलपीजी स्टेट कॉर्डिनेटर से लगातार संपर्क में रहकर आपूर्ति बढ़ाए जाने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों से नए अपग्रेड शहरी क्षेत्रों को तेल कंपनियों के सिस्टम में भी अपग्रेड किए जाने हेतु कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को पीएनजी आधारित गैस कनेक्शन बढ़ाए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने इसके लिए व्यावसायिक संस्थानों को पीएनजी कनेक्शन के लिए प्रेरित किए जाने की बात कही। उन्होंने गैस के विकल्प के रूप में पिरुल ब्रिकेट को भी बढ़ावा दिए जाने की बात कही। कहा कि इससे एलपीजी की कम खपत के साथ ही चीड़ के जंगलों से पिरुल का निस्तारण हो सकेगा।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फैनाई, सचिव विनोद कुमार सुमन, आनन्द स्वरूप एवं डीजी यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में फार्म फेंसिंग (घेरबाड़) के लिए प्रदान की गई 25 करोड़ की धनराशि

देहरादून(संवाददाता)। केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में जंगली जानवरों से कृषि फसलों की सुरक्षा के लिए 25 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, इस संबंध में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को प्रेषित पत्र में अवगत कराया है कि राज्य सरकार द्वारा भेजे गये इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के किसानों के व्यापक हित तथा कृषि फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री से घेरबाड़ के लिये वित्तीय सहायता दिये जाने का अनुरोध किया गया था। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने फार्म फेंसिंग (घेरबाड़) के लिए 25.00 करोड़ रुपये की धनराशि के प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान करते हुए इसे राज्य के किसानों के हित में सकारात्मक कदम बताया है।मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के किसानों को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान से राहत प्रदान करेगी और कृषि उत्पादन को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस पर हिमालयन हॉस्पिटल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- नाटक और पोस्टर के जरिए नेत्र रोग से बचाव को किया जागरूक

ऋषिकेश(संवाददाता)। हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को नेत्र रोग से बचाव और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सोमवार को जोलीग्रांट स्थित हिमालयन हॉस्पिटल की ओपीडी स्थल पर ऑप्टोमेट्री विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रिंसिपल डॉ. रेनू धस्माना ने कहा कि आंखें हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग हैं, जिनकी देखभाल के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. हर्ष बहादुर ने कहा कि नियमित नेत्र जांच से कई गंभीर समस्याओं का समय रहते पता लगाया जा सकता है। लोगों को यह समझना होगा कि ऑप्टोमेट्रिस्ट की ओर से जांच कराना दृष्टि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट सुबोध गुप्ता ने कहा कि अक्सर लोग बिना उचित जांच के चश्मा बनवा लेते हैं, जिससे आंखों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सही और समय पर की गई नेत्र जांच से न केवल दृष्टि में सुधार होता है, बल्कि आंखों से जुड़ी कई समस्याओं से भी बचाव किया जा सकता है।इस दौरान मेडिकल स्टूडेंट्स ने अपनी नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया कि ऑप्टिशियन के पास जाने से पहले आंखों की सही जांच कराना बेहद आवश्यक है। नाटक में नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व को भी दर्शाया गया, जिससे दृष्टि सुधार में सहायता मिलती है। मेडिकल स्टूडेंट्स ने विभिन्न पोस्टर और पंपलेट भी तैयार किए, जिन्हें प्रदर्शित और वितरित किया गया। इस मौके पर उप-प्रधानाचार्य डॉ. अनुराधा कुसुम, नीलम तिवारी, डॉ. किरण भट्ट, डॉ. स्वीकृति, डॉली धस्माना, कविता आदि उपस्थित रहे।

सुख-शांति और संतान की कामना को स्कंद माता की पूजा की

ऋषिकेश(संवाददाता)। तीर्थनगरी ऋषिकेश में चौत्र नवरात्र धूमधाम से मनाई जा रही है। नवरात्र के पांचवें दिन देवी मंदिरों में आस्थावानों की भीड़ उमड़ी। मां के स्कंद माता स्वरूप की पूजा कर श्रद्धालुओं ने संतान और सुख शांति की मन्नतें मांगी। देवी मंदिर मां के जयकारे गूंजते रहे। सोमवार को चौत्र नवरात्र में पांचवे दिन भक्तों ने मां के दर्शन कर केले और केले से बने हलवे का भोग लगाया। मां स्कंद माता के स्वरूप की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मां के दर्शन के लिए तड़के से ही मंदिरों में भक्तों की कतारें लगी रहीं। ऋषिकेश के चंद्रेश्वर नगर चौक स्थित दुर्गा मंदिर, त्रिवेणी घाट स्थित दुर्गा मंदिर, शीशमझाड़ी स्थित कात्यायनी मंदिर, दून रोड स्थित श्री दुर्गा मंदिर, दून मार्ग स्थित मनीच्छा देवी मंदिर, नरेंद्रनगर मार्ग स्थित भद्रकाली मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन व पूजा अर्चना की। शाम के समय देवी मंदिरों में शंख घडियाल के ध्वनि के साथ संगीतमयी आरती हुई।राजीव लोचन आश्रम के महंत हयग्रीवाचार्य महाराज ने कहा कि नवरात्र के पांचवें दिन स्कंद माता की पूजा होती है। स्कंद माता सिंह पर विराजमान और चार भुजाओं वाली पद्मासन देवी ममता और ज्ञान का प्रतीक हैं, जो भक्तों को सुख, शांति और संतान सुख प्रदान करती हैं।उधर, विभिन्न देवी मंदिरों में दिन और शाम के समय भजन कीर्तन हुए। जिनमें स्थानीय महिलाओं ने माता के भजनों की ढोलक सहित अन्य वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुतियां दी। जिससे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहा।

शहीद दिवस : क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की

कोटद्वार(संवाददाता)। जिला एवं महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहीद दिवस पर क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने शहीदों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला एवं महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे प्रेरणादायक गाथाओं में से एक है। जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि देश के लिए किया गया त्याग कभी व्यर्थ नहीं जाता। इस अवसर पर प्रवीन रावत, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, गणेश नेगी, बृजपाल सिंह नेगी, साबर सिंह नेगी, सुदर्शन रावत, देवेंद्र सिंह नेगी, शूरवीर सिंह खेतवाल मौजूद रहे। उधर, मालवीय उद्यान स्थित कांग्रेस कार्यालय में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com